Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 16-08-2005
Participants : Patil Smt. Rupatai Diliprao Nilangekar,Handique Shri Bijoy Krishna,Gandhi Shri Pradeep,Rawale Shri Mohan,Mahtab Shri Bhartruhari

an>

Title : Alleged derogatory remarks made against great Indian personalities included in the text book on Medieval India published by NCERT and taught in Navodaya Vidyalayas.

श्रीमती रूपाताई डी. पाटील (लातूर) **मान्यवर सभापति जी, आज देश भर के नवोदय विद्यालयों में कक्षा** 2211 के बच्चों को 'मध्यकालीन भारत' पाठ्यपुस्तक के माध्यम से भारत का जो इतिहास पढ़ाया जा रहा है, उसमें भारतीय इतिहास, भारतीय महापुरुषों के बारे में बच्चों को गलत जानकारी दी जा रही है। महापुरुषों के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की गई हैं। विशेा रूप से महाराजा छत्रपति शिवाजी, महाराणा प्रताप, पृथ्वीराज चौहान आदि महापुरुषों के लिए कहा गया है कि उन्होंने कभी आपने-सामने युद्ध नहीं लड़ा। उन्होंने जो कुछ राज्य जीते, वे सब छल से जीते। मर्यादा पुरुोत्तम राम और भगवान श्री कृण का कोई अस्तित्व ही नहीं है।

मान्यवर, जानबूझकर केन्द्र सरकार के विद्यालयों में इस प्रकार का इतिहास पढ़ाए जाने से जहां विद्यार्थियों को देश के इतिहास के प्र ाति गुमराह किया जा रहा है वहीं यह देश के भविय के लिए भयंकर खतरा भी है। अतः मेरा आपके माध्यम से मानव संसाधन विकास मंत्री से आग्रह है कि देश में केन्द्रीय विद्यालयों में पढ़ाए जा रहे इतिहास में तुरन्त संशोधन किया जाए।

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण-मध्य) : सभापति जी, माननीय सदस्या ने जो प्रश्न उठाया है, वह बहुत महत्वपूर्ण है। महाराजा छत्रपति शिवाजी …(व्यवधान)

सभापति महोदय : श्री मोहन रावले जी, आप अपने आपको इस विाय से एसोसिएट कर सकते हैं, भाण नहीं दे सकते।

SHRI B. MAHTAB (CUTTACK): Sir, I associate with Mr. Mohan Rawale on this issue. … (*Interruptions*)

श्री प्रदीप गांधी (राजनंदगांव) : सभापति जी, मैं भी अपने आपको श्रीमती रूपाताई डी. पाटिल के साथ सम्बद्ध करता हूं।

सभापति महोदय : जो माननीय सदस्य एसोसिए कर रहे हैं, उन्हें एसोसिएट किया जाएगा। उनका भाण रिकार्ड पर नहीं जाएगा।

श्री मोहन रावले : सभापति जी, मैं अपने आपको एसोसिएट करता हूं, लेकिन मैं कुछ बोलना चाहता हूं।

सभापति महोदय : मैंने उन्हें कहा था। उन्होंने पूरा विाय मेंशन कर दिया है। आप अपने आपको सिर्फ एसोसिएट कर सकते हैं, भाण नहीं दे सकते हैं। आप कृपया नार्म्स को फौलोअप करिए और एसोसिएट करिए।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI BIJOY HANDIQUE): Sir, I shall bring the matter to the attention of the concerned Minister.

MR. CHAIRMAN: All right.